नाना-नानी के नाम

उधम करूँ पर रोक न एक,
तनिक किसी की टोक न एक।
झिलमिल करती बाग में घाम
सुबह सुनहरी चहके शाम।
गरमी की ये सभी छुट्टियाँ
नाना-नानी जी के नाम।

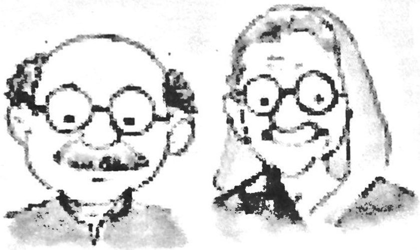

मामी मूर्ख बनाएँ एक,
नानी कथा सुनाएँ एक।
दिनभर गपशप और आराम,
मम्मी जी का बस यह काम।
गरमी की ये सभी छुट्टियाँ
नाना-नानी जी के नाम।

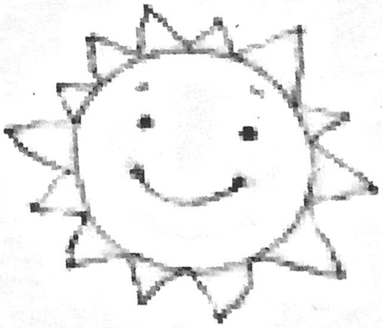

गरम कचौड़ी सुबह को एक,
दूध जलेबी पहले एक।
थोड़े जामुन, ज़्यादा आम,
काले-काले पीत ललाम।
गरमी की ये सभी छुट्टियाँ
नाना-नानी जी के नाम।

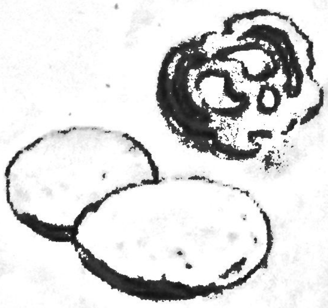

चिढ़ाते रहते मामा एक
फुलस्टॉप न कॉमा एक।
मौसी करतीं प्यार तमाम,
इन सबको मैं करूँ प्रणाम।
गरमी की ये सभी छुट्टियाँ
नाना-नानी जी के नाम।।

Class - III

11|02|2021

पाठ - नाना - नानी के नाम

प्रश्नोत्तरी:

1. बच्चा अपनी गरमी की छुट्टियाँ कहाँ बीताना चाहता है?
उत्तर: बच्चा अपनी गरमी की छुट्टियाँ नाना-नानी के घर बीताना चाहता है।
2. किस बात पर बच्चा रोक-टोक के लिए मना करता है?
उत्तर: उधम मचाने पर बच्चा रोक-टोक के लिए मना करता है।
3. नानी बच्चे को क्या सुनाती है?
उत्तर: नानी बच्चे को कथा सुनाती है।
4. मम्मी नाना-नानी के घर क्या करती है?
उत्तर: मम्मी नाना-नानी के घर दिनभर गपशप और आराम करती है।
5. बच्चा नाना-नानी के घर क्या-क्या खाता है?
उत्तर: बच्चा नाना-नानी के घर गरम कचौड़ी, दूध-जलेबी, जामुन-आम आदि चीजों को खाता है।
6. बच्चे को कौन मुर्ख एवं चिढ़ाता है?
उत्तर: बच्चे को मामी मुर्ख एवं मामा चिढ़ा रहे है।
7. बच्चे को मौसी क्या करती है?
उत्तर: बच्चे को मौसी प्यार करती है।
8. बच्चा सभी को क्या करता है?
उत्तर: बच्चा सभी को प्रणाम करता है।